Dr. MANISH RANJAN
M.Phil, Ph.D
Department of Hindi

Total teaching experience (in years) - 21

Institute of doctoral degree- Delhi University, Delhi

Research experience as Research Supervisor (in years)= 4

Number of Research papers/Articles published- 07

1	मनोहर श्याम जोशी के उपन्यास 'कसप' में उत्तर-आधुनिकता की अभिव्यक्ति (अक्टूबर –दिसम्बर 2014, पृष्ठ 53–57)	शोध वैचारिकी	Refereed ISSN No. 2277-6419.
2	उदारीकरण के दौर में छिनता बचपन (तारे जमीं पर) (जनवरी 2015, पृष्ठ 99-102)	संवेद - 84	Refereed ISSN No. 2231-3885.
3	विजयमोहन सिंह: संवेदना और बौद्धिकता का संतुलन (जनवरी –मार्च 2015, पृष्ठ 174–177)	शोध वैचारिकी	Refereed ISSN No. 2277-6419.
4	दलित अस्मिता और संघर्ष का नवीन स्वर (दिसंबर,2015, पृष्ठ 54)	आजकल	Refereed ISSN No. 0971-8478
5	हिंदी दलित कविता : विद्रोही स्वर की पहचान (अप्रैल – जून 2016, पृष्ठ 18 -22)	भाषिकी	Refereed ISSN No. 2454-4388
6	रेणु की कहानियाँ : जन जंगल जमीन के स्वर की पहचान (अप्रैल –जून 2016, पृष्ठ 27-30)	साहित्य चन्द्रिका	Refereed ISSN No. 2455-9032
7	स्वातंत्र्योत्तर भारत की नियति में गांधी : 'मैला आँचल' का वामनदास (वर्ष 3, अंक 10, दिसंबर 2018, पृष्ठ 105 -108)	ग्लोबल थॉट	Refereed ISSN : 2456-0898

.

No. of Books published- 1

Details of published Books- 1. समकालीन विमर्श के साहित्यिक आयाम, साहित्यागार ,जयपुर

No. of book chapters/papers in proceedings- 3 (Details of published article)

1	Travel Theatre At A Glance (2014, Vol. 10, page 168-173)	Conference proceeding published as The Journal of Rajasthan Association for Studies in English	ISSN No. 0975-3419
2	वैश्वीकरण के दौर में हिंदी पत्रकारिता (2016) (Page 161-171)	Proceedings of मीडिया : कल, आज और कल (5-6 Dec. 2014) (बी.एस. आर. राजकीय महाविद्यालय, अलवर)	ISBN No. 978-93-86113-13-9
3	सबाल्टर्न(निम्नवर्गीय प्रसंग) अध्ययनके परिप्रेक्ष्य में रेणु की कहानियाँ (2017) (Page 317-328)	Proceedings of समकालीन भारतीय समाज में उभरते सामाजिक मुद्दे एवं समस्याएँ (Emerging social issues and Problem of Contemporary Indian Society), RSA, Department of Sociology, M.L.V. Govt. College, Bhilwara (Raj.) (18-19 December , 2015)	ISBN No. 978-81-7711-593-2

Chapters in books - 2

1	दलित अस्मिता और संघर्ष का नवीन स्वर (82-85)	समाजद्रष्टा साहित्यकार : रत्नकुमार साम्भरिया	978-93-84163-01-3
2	नई सदी मे बदलते साहित्यिक परिदृश्य के वैचारिक बिन्दु (10-16)	समकालीन साहित्य एवं तंत्र : एक नीतिशास्त्रीय विवेचन	978-93-82190-44-8

Conference Attended- 1. International - 3

2. National - 15

Research projects handled- Nil

Member of BOS,Academic council- No

Any other achievements (Award, collaboration, foreign visit for academic purpose etc.) -

Member of Peer Group of UGC Listed (ISSN2322-0724) अपनी माटी (त्रैमासिक ई पत्रिका)